वर्ष :: 32 अंक : 51
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

/mithilavarnan

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: रविवार, 25 सितंबर, 2022 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

हर दिन 5 करोड़ तक का काला कारोबार

सरकारी आदेश को ठेंगा दिखा राज्य में कोयला-तस्करी जोरों पर

- : देवेन्द्र शर्मा :-

रांची : राज्य में सरकार के आदेश और विशेष दिशा-निर्देश के बाद भी कोयले का अवैध उत्खनन और तस्करी जोरों पर जारी है। सूत्रों के अनुसार प्रतिदिन पांच सौ से ज्यादा ट्रक कोयले की तस्करी उत्तरी छोटानागपुर और पलामू प्रमंडल से होने की सूचना है। इस धंधे से जुड़े लोगों का कहना है कि झारखंड से रोज एक हजार ट्रक कोयले को राज्य के बाहर भेजा जाता है। धनबाद, बोकारो, कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ, रांची, दुमका संतालपरगना, लातेहार, पलामू, गढ़वा और राजधानी के कुछ प्रखंडों से भी तस्करी हो रही है। चतरा से दिन-रात बेरोक-टोक यह धंधा चल रहा है। अवैध धंधे से कमाई अधिक है और 'पुष्प-पत्रम' की भेंट ईमानदारी से बांटी जाती है। अतः चाहकर भी कोई कुछ नहीं बोलता। कोयले के तस्कर इसे सिंडिकेट के रूप मे चलाते हैं। इस सिंडिकेट में सफेदपोशों के साथ-साथ समाज के जिम्मेदार तबके के लोग भी शामिल हैं। सभी को निश्चित समय पर उनका भुगतान होता है। समय-समय पर विशेष सहयोग भी किया जाता है। सिंडिकेट में शामिल लोग पूरी ईमानदारी से अपना काम करते हैं। इस अवैध कमाई का हिस्सा ऊपर से नीचे तक बंटता है। सबकी अपनी-अपनी जवाबदेही होती है, जिसका वे पूरी ईमानदारी से इस धंधे में निर्वहन करते हैं।

जैसा कि बताया गया है, झारखंड के कोयले की मांग उत्तरप्रदेश से लेकर देश के कोने-कोने में है। कोयला तस्कर को अच्छी कमाई होती है। सूत्रों ने बताया कि लातेहार और चतरा से निकलने वाले कोयले की गुणवत्ता अच्छी होती है। सम्बन्धित थाना, चेकनाका पर तैनाती के लिए कर्मचारी अपने अधिकारियों को 'नजराना' भी अदा करते हैं। राज्य से प्रतिदिन तीन से पांच करोड़ रुपये का व्यवसाय चल रहा है।

छापेमारी की औपचारिकता मात्र

रामगढ़, बोकारो और हजारीबाग में तस्करी करने वालों ने हजारों की संख्या में मजदूरों को बहाल कर रखा है, जो खदान से अवैध उत्खनन कराकर उसे साइकिल से अपने गोदामों मे जमाकर ट्रक से बाहर भेजते हैं। समय-समय पर कुछ स्थानों में छापेमारी की औपचारिकता भी पूरी की जाती है। दुमका संतालपरगना से कोयले की तस्करी विदेश भेजने के लिए अधिक होती है। राज्य स्थापना के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गयी, जांच भी चली, पर एक पर भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं हुई।

ठंडे बस्ते में दफन हुई सरकारी घोषणा

सरकार ने पिछले दिनों अवैध कोयले के कारोबार पर रोक लगाने और इनमे जुड़े लोगों पर कार्रवाई की जो घोषणा की थी, वह समय के साथ ठंडे बस्ते में दफन हो गई। सूत्र बताते हैं कि इस सिंडिकेट से जुड़े लोग पैरवी और पहुंच के साथ-साथ संसाधनों से भी लैस रहते हैं। रोक-टोक करने वालों को वे रास्ते से हटाने में भी पीछे नहीं होते हैं। सिंडिकेट के पास नकली, फर्जी दस्तावेजों की भरमार होती है। सरकारी पेपर से लेकर सभी पेपर को तैयार कर माल को पार करते हैं। यदि कहीं मामला फंसता है तो सिंडिकेट के लोग वहीं जाकर मामले को निपटाते हैं। कोयला कम्पनी के अधिकारियों को यह पता होता है कि उनकी खदानों से कोयले का अवैध उत्खनन कर उसकी तस्करी हो रही है, फिर भी वे मौन रहते हैं। कोयले के अवैध उत्खनन में कम्पनी के अधिकारियों की सहभागिता रहती है। सूत्रों का कहना है कि राज्य में सड़क मार्ग के सही होने से कारोबार मे तेजी आयी है।

गुड न्यूज कंपनी को 16040 करोड़ रुपए का हुआ फायदा, 10500 अधिकारियों में बांटे जाएंगे 800 करोड़ रुपए

इस दिवाली सेल के अधिकारियों की 'चांदी'!

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : दुर्गापूजा में इस्पातकर्मियों को बोनस की मांग के बीच सेल अधिकारियों के 'बल्ले-बल्ले' होने की खबर सामने आई है। सेल को 16040 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है और अधिकारियों को इस लाभ का 5 प्रतिशत दिया जाएगा। बीते हफ्ते सेल और स्टील एग्जिक्यूटिव फेडरेशन ऑफ इंडिया (सेफी) की बैठक में अधिकारियों के परफारमेंस रिलेटेड पे (पीआरपी) और जूनियर अफसरों के वेतन विसंगति सहित 22 बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में इस बात पर मुहर लगी कि निकट भविष्य में अधिकारियों को पीआरपी एडवांस मिल जाएगा। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी धनतेरस में पीआरपी की राशि अधिकारियों के खाते में आ जाएगी। यानी दिवाली में इस बार अफसरों की चांदी होनेवाली है। इस बार सेल को 160040 करोड़ रुपए के फायदे में 5 प्रतिशत के हिसाब से 10500 अधिकारियों के बीच करीब 800 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे। जूनियर से सीजीएम स्तर के अधिकारियों के ग्रेड के हिसाब से एक लाख से सात लाख रुपए तक पीआरपी मिलेगा।

इस्पात मंत्रालय से मिलती है रैंकिंग

जानकारों के अनुसार इस्पात मंत्रालय की ओर से सभी लोक उपक्रमों को दिसंबर में रैंकिंग दी जाती है। इसलिए, दीपावली में एडवांस दिया जाता है और रेटिंग आने के बाद बाकी राशि भुगतान कर दी जाती है। जबकि, जूनियर अफसरों के वेतन विसंगति मामले में अभी कोई निर्णय नहीं हुआ, लेकिन उनका आंदोलन खत्म कराने के दौरान दिए गए आश्वासन के तहत जल्द फैसले की बात कही गई है। बोकारो स्टील ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एके सिंह का कहना है कि 2008 और 10 बैच के जूनियर अफसरों के मामला का समाधान नहीं होता है, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। प्रबंधन ने आश्वासन दिया है कि जल्द इसपर निर्णय लिया जाएगा।

इधर, कर्मियों को भी पीआरपी की उठी मांग

अधिकारियों की तर्ज पर कर्मियों को भी पीआरपी दिए जाने की मांग उठने लगी है। मजदूर यूनियनों का कहना है प्लांट के उत्पादन में कर्मियों की मेहनत कम नहीं होती। 10500 अधिकारियों को 800 करोड़ पीआरपी मिलेगा, तो कर्मियों को भी 110 करोड़ रुपए मिलने चाहिए। उल्लेखनीय है कि दुर्गापूजा में हर साल सेल के कर्मचारियों को बोनस दिया जाता है।

जानिए... कब कितना मिला है बोनस

वर्ष	बोनस-राशि
2016	10000
2017	11000
2018	13000
2019	15500
2020	16500
2021	21000

डीवीसी में 32,000 की एक्सग्रेशिया

डीवीसी में दुर्गापूजा के मद्देनजर वर्ष 2021-22 के लिए डीवीसीकर्मियों को 32 हजार एक्सग्रेशिया राशि मिलेगी। जबकि, कांट्रैक्चुअल डॉक्टर, असिस्टेंट इंजीनियर्स, टीचर, पारा मेडिकल स्टाफ, सप्लाई कांट्रैक्टर वर्कर व कैजुअल मजदूरों को 16 हजार रुपए मिलेंगे।

संपादकीय

संघ प्रमुख की सराहनीय पहल

भारत में कट्टरपंथियों की बढ़ती राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने पिछले गुरुवार को ऑल इंडिया मुस्लिम इमाम ऑर्गेनाईजेशन के प्रमुख इमाम उमर अहमद इलियासी समेत अन्य मुस्लिम नेताओं से मुलाकात कर एक सराहनीय पहल की है। दिल्ली के कस्तूरबा गांधी मार्ग स्थित मस्जिद में हुई इस मुलाकात के दौरान करीब एक घंटे तक इनके बीच बातचीत हुई। मुस्लिम बुद्धिजीवियों के साथ संघ प्रमुख मोहन भागवत की पिछले एक महीने में यह दूसरी बैठक है। इससे पहले मोहन भागवत ने मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक पांच सदस्यीय दल ने मुलाकात की थी। संघ प्रमुख की इमाम उमर अहमद इलियासी के साथ लगभग एक घंटे चली यह बैठक बिल्कुल ही बंद कमरे में हुई। उमर अहमद इलियासी के साथ बैठक के दौरान भागवत के साथ संघ के कृष्ण गोपाल, राम लाल और इंद्रेश कुमार भी मौजूद थे। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने विगत 22 अगस्त को मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक पांच सदस्यीय दल से मुलाकात की थी। इस बैठक में देश में सांप्रदायिक सौहार्द मजबूत करने और हिन्दू-मुस्लिमों के बीच गहरी हो रही खाई को पाटने की जरूरत पर बल दिया गया था। साथ ही, मुस्लिम बुद्धिजीवियों के साथ मिलकर काम करने के लिए भागवत ने संघ के चार सदस्यों को नियुक्त करने की बात कही थी। संघ प्रमुख से मिलने वालों में पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति जमीरुद्दीन शाह और कारोबारी सईद शेरवानी शामिल थे। इस बैठक और बातचीत की पहल मुस्लिम बुद्धिजीवियों की ओर से की गई थी। इस बैठक के दौरान देश में सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत करने और अंतर-सामुदायिक संबंधों में सुधार पर व्यापक चर्चा हुई। जानकारों के अनुसार संघ प्रमुख ने बैठक के दौरान साफ तौर पर कहा कि 'हमें न तो इस्लाम से कोई दिक्कत है, न कुरान से और न ही मुसलमानों से। हमारा डीएनए एक है। सिर्फ इबादत का तरीका अलग है। ऐसे में हमें भी गलतफहमी को दूर करनी चाहिए और एक-दूसरे के लिए अपने-अपने दिलों के दरवाजे खोलने चाहिए, ताकि माहौल अच्छा हो सके।' जबकि, दूसरी ओर उमर इलियासी ने भागवत को 'राष्ट्र-ऋषि' और 'राष्ट्र-पिता' जैसे शब्दों से अलंकृत किया। गुरुवार को ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के दफ्तर में संघ प्रमुख और इमामों की हुई बैठक के दौरान मोहन भागवत ने मौलाना जमील इलियासी की मजार पर फूल भी चढ़ाये और मदरसा ताजवीदुल कुरान का भी दौरा किया, वहां के बच्चों से बातचीत भी की। इस मुलाकात के बाद डॉ जमील इलियासी के बेटे शोएब इलियासी ने मोहन भागवत के आगमन को देश के लिए एक बड़ा संदेश बताया। जबकि, देश में खुद को देश के मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी बताने वाले हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी को अपनी दुकानदारी पर खतरा नजर आने लगा। वह अनाप-शनाप बकने लगे। यह भी सच है कि वोट के सौदागर नेताओं को यह मिलन अच्छा नहीं लगेगा, क्योंकि हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रयास से उनकी दुकानदारी पर बुरा असर पड़ेगा। लेकिन, इन दोनों सम्प्रदाय के प्रमुखों की मुलाकात और बात का पूरे देश में एक अच्छा संदेश तो निश्चय ही जाएगा।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

अद्भुत है जंगल-गीत की श्रृंखला

-डॉ. अशोक प्रियदर्शी -

कुमार मनीष अरविन्द की सद्यः प्रकाशित 108 गीत-खण्डों वाली यह पुस्तक- **'चल जंगल चल'** की बात कर रहा हूं मैं। मेरे एक मित्र कहते थे कि कुछ लोग खाने के लिए जीते हैं और कुछ जीने के लिए खाते हैं। उसी प्रकार मुझे लगता है कि कहूं, कुछ लोग वेतन पाने के लिए नौकरी करते हैं और कुछ अपनी सेवा में डूबकर उसका आनन्द लेने के लिए, जिनसे वे जुड़े हैं। नौकरी करते हैं तो वेतन मिलेगा ही। मनीष जी इस दूसरी कोटि के मनुष्य हैं। भारतीय वन सेवा के इस अधिकारी का प्राण बसता है जंगल में। वन और वन्य-प्राणी जैसे इनके पहले प्रेम हैं। वन और वन्य-जीवों की संस्कृति जिसकी सांसों में बसी न हो, वह ऐसा रसीला और प्रेरक जंगल गीत गा ही नहीं सकता है। अद्भुत रस-प्रवण है यह पुस्तक- 'चल जंगल चल'।

मेरा सौभाग्य रहा कि मनीष जी के स्वर में इस गीत-श्रृंखला के अनेक गीत-खण्डों को मैंने सुना। अतिरंजना न समझी जाए तो मैं कहना चाहता हूं कि जैसे महाकवि विद्यापति की पदावली का एक निश्चित लय है, जैसे रवि ठाकुर के गीत एक विशिष्ट ढ़ंग से गाए जाते हैं, जिसे रविंद्र संगीत कहा जाता है, उसी प्रकार इस जंगल गीत को एक विशेष स्वर में बांधा है मनीष जी ने। और इस गीत को जब वे स्वयं अपने सुर में गाते हैं तो ऐसा लगता है, जैसे जंगल को आत्मसात कर लिया हो उन्होंने। इससे प्रकृति के साथ उनके अनन्य लगाव का अनुभव कर सकते हैं आप। उनके साथ बेतला अभ्यारण्य का भ्रमण करने का अनुभव मुझे भी है। लगेगा, जैसे जंगल के एक-एक पेड़, एक-एक पशु पक्षी से उनका आत्मीय लगाव है। वह भ्रमण करते हुए जंगल के उस हिस्से की एक-एक विशेषता बताते चलेंगे, वन भ्रमण में डूबे आनंद लेते और आनंद बांटते।

'चल जंगल चल' रॉक्सी में पढ़ी जाने वाली पुस्तक नहीं है। इसका आनंद डूबकर पढ़ने में है। पाठक या समीक्षक इसे पढ़ते हुए इसमें डूबते-उतराते रहेंगे। ऐसी पुस्तक की समीक्षा क्या होगी! अस्तु! 'जल जंगल चल' को जंगल-गीत कहा गया है। रचनाकार ने अपना 'टारगेट ग्रुप' बच्चों को रखा है। उस दृष्टि से सरलता और सहजता है गीत-पंक्तियों में। परंतु, मेरा स्पष्ट मानना है कि बच्चों में तो यह वन्य-प्रेम जगाएगी ही, साथ-साथ प्रौढ़ एवं बड़ी आयु-वर्ग के लोगों में भी जंगल के प्रति उतनी ही प्रीत जगाएगी यह गीत श्रृंखला। मेरे विचार से देश की सभी राजभाषाओं में इस पुस्तक का अनुवाद किया जाना चाहिए और प्रत्येक विद्यालय और वन-कार्यालय के पुस्तकालय में अनिवार्य रूप से यह पुस्तक उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इससे कुछ गीतों को छात्र-छात्राओं की पाठ्यपुस्तकों में सम्मिलित किया जाना चाहिए।

चल जंगल चल...

कुमार मनीष अरविन्द जी की पुस्तक 'चल जंगल चल' विश्व-ग्राम के बच्चों के लिए है और उन सभी लोगों के लिए भी, जो प्रकृति के संरक्षण के कार्य से किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं। पाठकों के लिए हम इस पुस्तक की कविताओं का क्रमबद्ध प्रकाशन प्रारम्भ कर रहे हैं।

-संपादक

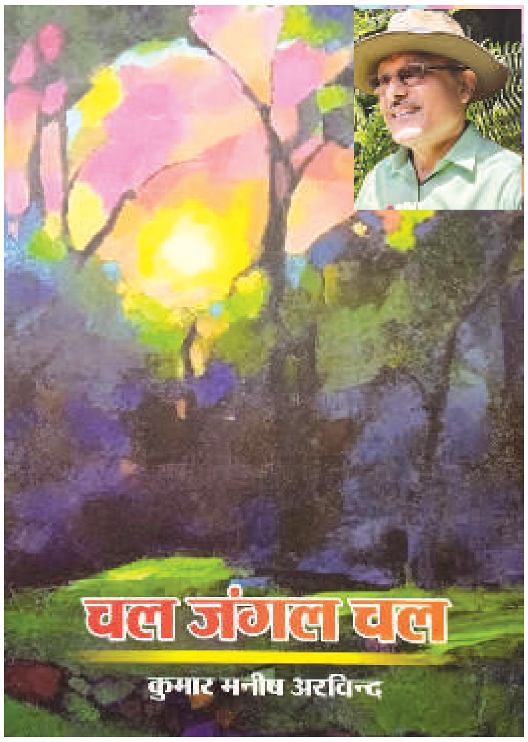

पुस्तक समीक्षा : 'चल जंगल चल'

(1)

चल जंगल चल, चल जंगल चल

जंगल अद्भुत एक कहानी
जंगल की मीठी है वाणी
ज्ञान चक्षु सबका यह खोले
तोल-मोल कर ही वन बोले
जंगल जाकर कथा समूची
समझो, यह ही जंगल की दरकार... जंगल
जल जंगल चल, चल जंगल चल

(2)

चल जंगल चल, चल जंगल चल
संकल्पित वह विस्फोटन था
जल से फिर निकला जीवन था
एक कोशिका का नव पादप
करता रहा युगों तक का तप
फिर कोशों की रचना फैली
लगे करोड़ों साल, हुआ विस्तार...जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

प्राकृतिक हास्य के एक युग का अंत

माथे पर पीछे हाथ डाल गजोधर भैया के किरदार को जीवंत पेश करने वाले काल्पनिक पर्दे के नैचुरल कॉमेडी स्टार राजू श्रीवास्तव नहीं रहे। सबको हंसानेवाले राजू हंसाते-हंसाते रुलाकर चले गए। अस्पताल में 42 दिन के लंबे संघर्ष के बाद 58 साल के सबको हंसानेवाले राजू हंसाते-हंसाते रुलाकर चले गए। जिंदगी को बीते हफ्ते उन्होंने अलविदा कह दिया। उनका जाना आमजनों से जुड़े प्राकृतिक हास्य के एक युग का अंत और हंसी की दुनिया का खामोश हो जाना है। एक ऐसे दौर में राजू श्रीवास्तव का चले जाना बेहद पीड़ादायक है, जब लोग डिप्रेशन जैसी बीमारी का शिकार हो रहे हैं। आज दौड़ती-भागती जिंदगी में जीवन में हंसी का कोई ठिकाना ही नहीं है। लोगों के चेहरे पर थकान के सिवाय मुस्कान दिखती ही नहीं। जिंदगी इतनी तेज भाग रही है कि लोगों की हंसती-खेलती दुनिया ही गायब है। ऐसे दौर में राजू डिप्रेशन के मरीजों के लिए भगवान थे। राजू श्रीवास्तव एक ऐसे परिवार से आते हैं, जहां साहित्य और कला को खुली सांस मिली। उनके पिता रमेश श्रीवास्तव कवि थे। उन्हें लोग बलई काका के नाम से भी पुकारते थे। राजू श्रीवास्तव उन्हीं बलई काका के बेटे थे। उनका जन्म कानपुर में 1963 में हुआ। कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को 10 अगस्त को दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें इलाज के लिए एम्स में दिल्ली में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने फिल्मों में भी काम किया। अमिताभ बच्चन के बहुत तगड़े फैन थे। कॉमेडीकी दुनिया में उन्हें अमिताभ बच्चन की मिमिक्री से शोहरत मिली। राजू श्रीवास्तव उस दौर में लोगों के दिलों पर राज करते थे जब संचार के इतने तगड़े माध्यम नहीं थे। लोगों के बीच पहुंचने का रेडियोऔर दूरदर्शन एकमात्र सहारा था। उस दौर में टी-सीरीज के मालिक गुलशन कुमार ने राजू श्रीवास्तव का ऑडियो कैसेट जारी किया था। राजू की कॉमेडी में गजोधर और मनोहर भैया कालजयी पात्र हैं। राजू की कॉमेडी में एक अजीब तरह का खिंचाव और लगाव था। राजू श्रीवास्तव हमारे बीच भले नहीं रहे, लेकिन हंसी की दुनिया के कालजयी पात्र गजोधर और मनोहर हमें याद आएंगे। सत्य प्रकाश श्रीवास्तव यानी राजू ने द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज से काफी सुर्खियां बटोरीं।

यहीं से उनकी जिंदगी में नया मोड़ आया। शुरुआती दौर में उन्होंने आर्केस्ट्रा में भी काम किया। एक कार्यक्रम में उन्हें पारिश्रमिक के रूप में 100 रुपये पहली बार मिले तो वे बेहद खुश हुए। साल 1982 में राजू श्रीवास्तव ने मुंबई की तरफ रुख किया। उन्होंने सलमान खान की फिल्म मैंने प्यार किया, बाजीगर, मुंबई टू गोवा, आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया जैसी फिल्मों में भी काम किया।

दुर्गोत्सव की तैयारी में जुटी इस्पातनगरी

दो साल बाद इस बार दिख रहा पूजा का दोगुना उत्साह

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : कोरोना महामारी के दो साल बाद इस बार मां दुर्गा की आराधना के महापर्व दुर्गोत्सव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। बोकारो, चास सहित पूरे जिले में पूजा के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां चल रही हैं। दो साल की कोर-कसर लोग दोगुने उत्साह के साथ पूरा करने में लगे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दुर्गापूजा महोत्सव की खोई रौनक एक बार फिर लौट चुकी है। दोगुने उत्साह के साथ पूजा कमेटियों के लोग लगे हैं। मेला लगाने वाले दुकानदारों में भी खासा उमंग देखा जा रहा है। बोकारो में सेक्टर- 2, सेक्टर-9, सेक्टर-12, चास सोलागीडीह सहित कई जगहों पर हर साल धूमधाम से दुर्गापूजा होती रही है। इस बार भी खास तैयारी चल रही है। शहर के सेक्टर-3 स्थित चक्की मोड़, बंग भारती, कालीबाड़ी, सेक्टर-2, सेक्टर-12, 9, सेक्टर- 2डी स्थित श्यामा माई मंदिर सहित सभी जगहों पर पूजा की तैयारी चल रही है।

फिर आकर्षण का केन्द्र होंगे मेले और मीना बाजार

सेक्टर-2, सेक्टर-9 और सेक्टर-12 में दुर्गापूजा पर दो साल बाद एक बार फिर मेले और मीना बाजार लगाए जा रहे हैं। इनका आनंद फिर बोकारोवासी ले सकेंगे। मेला में बच्चों के मनोरंजन के लिए तरह-तरह के झूले लगने शुरू हो गए हैं। वहीं मीना बाजार, गुपचुप, चाट, छोले की दुकानें लगेंगी। मेले में लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो, इसके लिए पर्याप्त लाइट, अग्निशमन व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी आदि के इंतजाम किए जा रहे हैं। पर्याप्त संख्या में वॉलेंटियर तैनात रहेंगे। सेक्टर-2 में पूजा सफल बनाने में समिति के दुर्गेश, पिंटू सिंह, पप्पू सरदार, पप्पू यादव, विनोद यादव, कृष्णा प्रसाद, देवराज, अभय सिंह, मनोज यादव, बिनोद ओझा, संदीप सिंह, मनोज सिंह, श्याम सुंदर प्रसाद, मुन्ना सिंह, रजनीश तिवारी, संतोष सिंह, सोनू लायक, दिलीप, गुड्डू पोद्दार, अजय मंडल, पंकज शर्मा, पंकज सिंह आदि लगे हैं।

सेक्टर- 2 में पगला बाबा मंदिर, तो 9 में सपनों के महल का दिखेगा नजारा

दुर्गापूजा को लेकर शहर के विभिन्न स्थानों पर पंडाल-निर्माण भी जोरशोर से चल रहा है। इस साल श्रीश्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति सेक्टर- 2 की ओर से मथुरा के प्रसिद्ध पगला बाबा मंदिर के स्वरूप जैसा पंडाल बनेगा। समिति के अध्यक्ष राजेश्वर प्रसाद सिंह के अनुसार 8.50 लाख रुपए की लागत से बनने वाले पूजा पंडाल की चौड़ाई 120 फीट और लंबाई 95 फीट रहेगी। माता की प्रतिमा को आसनसोल के कारीगर दुर्गा पाल की ओर से बनाया जाएगा। प्रतिमा की ऊंचाई 10 फीट की होगी। प्रतिमा के पीछे बनारस घाट का दृश्य बनेगा, जिसे दुगार्पुर के कारीगर बलाई बर्मन बनाने की तैयारी में लग चुके हैं। वहीं, सेक्टर- 9 के वैशाली मोड़ मैदान में स्वप्न लोक के स्वरूप का पूजा पंडाल बनेगा। पंडाल का दुगार्पुर के 35 कारीगर दिन-रात काम पर लगे हुए हैं। यहां के अध्यक्ष शशिभूषण उर्फ गिन्नी बाबा के अनुसार यहां माता की प्रतिमा आठ फीट ऊंची होगी, जिसका निर्माण लगभग ढाई लाख रुपए की लागत से किया जा रहा है। जबकि, पंडाल बनाने में 10.11 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। पंडाल 60 फीट ऊंचा होगा।

इधर, प्रशासन ने कसी कमर; एसपी ने थाना प्रभारियों को दीं कई हिदायतें

दुर्गापूजा त्योहार को लेकर जिला प्रशासन ने भी कमर कस ली है। शनिवार को जिले के एसपी चंदन कुमार झा ने पुलिस पदाधिकारियों को क्राइम मीटिंग के दौरान सभी पुलिस पदाधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने सभी थाना अथवा के ओपी के प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत लगने वाले पंडालों का भैतिक रूप से सत्यापन करने का निर्देश दिया। कहा कि साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाडने वाले संभावित व्यक्तियों के खिलाफ भादवि की धारा 107 के तहत कार्रवाई करें। क्षेत्र में साम्प्रदायिक संवाद न बिगड़े, इसके लिए विशेष रूप से निगरानी रखने को कहा। नक्सल सप्ताह के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के थाना व ओपी प्रभारियों को विशेष सतर्कता बरतने की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह न फैले, इसका विशेष ध्यान रखें। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर भी नजर रखने का भी खास तौर से निर्देश दिया। एसपी ने अवैध शराब के खिलाफ मिशन मोड में छापामारी करने सहित अन्य कई निर्देश दिए।

वाहन चोरी न रुकी, तो नपेंगे थानेदार

बैठक में एसपी ने अवैध शराब के खिलाफ मिशन मोड में छापामारी करने सहित अन्य कई निर्देश दिए। इन्ही में वाहन चोरी पर रोक लगाने को लेकर उन्होंने ठोस कार्रवाई की हिदायत दी कहा कि वाहन चोरी के काण्डों में सभी थाना व ओपी प्रभारियो को विशेष निगरानी रखने का सख्त निर्देश दिया गया। पूर्व में प्रतिवेदित वाहन चोरी से संबंधित कांडों में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी और वाहन की बरामदगी करने हेतु सख्त हिदायत दी। एसपी ने कहा कि इस दिशा में लापरवाही बरतने वाले थाना व ओपी प्रभारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

संकल्प बीएसएल ने की रिफ्रैक्टरीज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी, दिग्गज धातुविद हुए शामिल

इस्पात-निर्माता आत्मनिर्भर भारत व मेक इन इंडिया अभियान को देंगे मजबूती

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र में बोकारो स्टील प्लांट की मेजबानी में दो दिवसीय लौह और इस्पात उद्योग में रिफ्रैक्टरी का भविष्य विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरईएफआईएस-4.0 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में सेल के सभी संयंत्रों के अलावा टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू, रिफ्रैक्टरी निर्माताओं सहित 350 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा 40 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किये। रिफ्रैक्टरी के मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ रिफ्रैक्टरी और इस्पात उद्योग के विशेषज्ञों ने इस सेक्टर में इंडस्ट्री-4.0 से जुड़े नवीनतम प्रोद्योगिकी यथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग इत्यादि विषयों पर भी गहन चर्चा की। पहले दिन आईआईटी-आईएसएम, धनबाद के निदेशक प्रो. राजीव शेखर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। बोकारो में पहली बार आयोजित इस सम्मेलन में बीएसएल के अधिशासी निदेशक बीके तिवारी, संजय कुमार, ए. श्रीवास्तव व सीआर महापात्रा, सीईओ (बीपीएससीएल) केके ठाकुर, आयोजन समिति के अध्यक्ष तथा अधिशासी निदेशक (एसआरयू) पीके रथ, अधिशासी निदेशक (कोलियरीज) अनूप कुमार, अधिशासी निदेशक (माइंस) जे. दासगुप्ता, सेल के अन्य अधिशासी निदेशक, आयोजन समिति के सह अध्यक्ष तथा मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) वीपी उपाध्याय, आयोजन समिति के संयोजक सह महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी) संदीप एस. लाल, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, अन्य वरीय अधिकारी, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स, बोकारो चैप्टर और इंडियन सेरामिक्स सोसाइटी के प्रतिनिधि, स्टील इंडस्ट्री तथा रिफ्रैक्टरी के निर्माता तथा इसके उपयोगकर्ता इत्यादि उपस्थित थे।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बीएसएल के निदेशक प्रभारी अमरेन्दु प्रकाश सहित सेल के अन्य निदेशक ऑन लाइन जुड़े हुए थे तथा सभी ने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। सम्मेलन के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. राजीव शेखर ने रिफ्रैक्टरी सेक्टर में आनेवाली विभिन्न चुनौतियों पर गहन शोध कर उसके समाधान करने पर बल दिया। उन्होंने

2030 तक देश में 300 एमटी के उत्पादन की तैयारी

अधिशासी निदेशक बीके तिवारी, संजय कुमार व पीके रथ सहित मंचासीन अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने उद्बोधन में इस सम्मलेन को प्रासंगिक बताते हुए विश्वास जताया कि देश-विदेश से जुटे विशेषज्ञ इस सम्मेलन के दौरान रिफ्रैक्टरी उद्योग से जुड़े विभिन्न चुनौतियों, विशेषकर वर्ष 2030 तक देश में इस्पात उत्पादन क्षमता 300 मिलियन टन के लक्ष्य को हासिल करने के परिप्रेक्ष्य में रिफ्रैक्टरी सेक्टर में देश को आत्म-निर्भर बनाने, इंडस्ट्री-4.0 टेक्नोलोजी के इस्तेमाल द्वारा कम लागत तथा उच्च गुणवत्ता वाले रिफ्रैक्टरी का निर्माण तथा इस्पात एवं रिफ्रैक्टरी उद्योग के परस्पर हितों से सम्बंधित सभी बिन्दुओं पर गहन मंथन कर भविष्य के लिए रोड मैप तैयार कर सकेंगे।

रिफ्रैक्टरी निर्माताओं से इस सेक्टर के लिए आवश्यक रा-मैटेरियल के आयात विकल्पों पर विशेष तौर पर ध्यान देने के संदेश दिया, ताकि आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया अभियान को मजबूती मिल सके।

अदालती सूचना

व न्यायालय श्रीमान अपर जिला जज साहब II, बेगूसराय

केस सं0- प्रोवेट केस नं0- 9/2022

राजीव कुमार, पेसर स्व0 धीरेन्द्र कुमार अम्बष्ठ एवं स्व0 मन्नी देवी, साकिन मोहल्ला लोहियानगर, वार्ड नं0- 28, अन्दर नगर निगम, बेगूसराय, पोस्ट- सुहद नगर, परगना बलिया अंचल, सबडिवीजन एवं रजिस्ट्री जिला- बेगूसराय (बिहार) आवेदक

-बनाम-

श्री शरद चन्द्र ठक्कर, पेसर- स्व0 चन्दू लाल ठक्कर तथा स्व0 इन्दू भट्ट, साकिन- करकेन्द बाजार, पोस्ट- कुसुन्डा, पिन कोड-828116, थाना- करकेन्द, जिला- धनबाद, राज्य- झारखंड

प्रतिवादी

चूंकि मुदेया ने हमारे न्यायालय में आपके खिलाफ एक किता मोकदमा केस नं0- प्रोवेट 09/22 अदालत हाजा में दाखिल किया है। आप लोगों को न्यायालय से सम्मन एक निबंधित डाक से निश्चित तिथि को हाजिर होने के लिए भेजा गया, लेकिन आप लोग न्यायालय में हाजिर नहीं हुए।

इसलिए इस नोटिस गजट से आप लोगों को आगाह किया जाता है कि निश्चित तिथि 12/10/22 को 10.30 बजे न्यायालय में असालतन या वकालतन हाजिर होकर जो कुछ उजूर एतराज करना है, करें। आपके गैर हाजिर में एक पक्षीय कार्रवाई कर उचित फैसला कर दिया जायेगा।

इसे ताकिद जानें।

आज दिनांक-12.09.22 को मेरे न्यायालय में मोहर एवं हमारे हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

व हुकुम

दिनांक- 12.09.22 ए.डी.जे. II

सख्ती... यूपी की तर्ज पर अपराध का बुलडोजरीकरण शुरू, कार्रवाई को ले बनाई जा रही लिस्ट

बोकारो पुलिस अब 'बुलडोजर बाबा'!

संवाददाता

बोकारो : बोकारो : 'बुलडोजर बाबा'। यह शब्द उत्तर प्रदेश से लेकर पूरे देश में हाल के दिनों में चर्चा का विषय बना रहा। मेरठ में फरार इनामी के घर और कानपुर में अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किए जाने के बाद वहां के सीएम योगी 'बुलडोजर बाबा' के नाम से जाने-पहचाने जाने लगे। यूपी की तर्ज पर अपराधी के खिलाफ बुलडोजरी कार्रवाई झारखंड में भी बोकारो से शुरू हो चुकी है। बीते हफ्ते बोकारो में दुष्कर्म के फरार आरोपी आरजू मलिक के अवैध आवास को बोकारो पुलिस ने बुलडोजर चलवाकर ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई पूरे राज्य की सुर्खियां बनी रही। इसके साथ ही अब आगे भी ऐसे मामलों में अपराध का बुलडोजरीकरण किए जाने की रणनीति तैयार की जाने लगी है। जाहिर तौर पर इससे अपराध के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर लोगों में जहां सकारात्मक

अवधारणा बनेगी, वहीं दूसरी ओर अपराधियों पर भी नकेल कसी जा सकेगी।

बता दें कि जिले के माराफारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बीएसएल की जमीन पर बने आजाद नगर निवासी आरजू मलिक के अवैध पक्के आलीशान मकान को पुलिस ने ध्वस्त कर दिया। मौके पर मौजूद कार्यपालक दंडाधिकारी सुदीप एक्का ने बताया कि चास एसडीओ के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। आरोपी आरजू मल्लिक न्यायालय से फरार चल रहा था। इस बीच जानकारी मिली कि वह बीएसएल की जमीन पर अवैध मकान बनाये हुए है, जिसके बाद प्रशासन की ओर से उसके घर को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। इससे पहले पुलिस उसके घर से सामानों को कुर्की जब्ती करते हुए थाना ले गई थी, लेकिन वह न्यायालय में हाजिर नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार बुलडोजर चलाकर अपराधियों को सबक सिखाने की रणनीति पर बोकारो पुलिस संजीदगी से काम कर रही है। पुलिस के निशाने पर अन्य अपराधी भी हैं और बाकायदा उनकी लिस्ट भी बनाई जा रही है। अब पुलिस अब दुंदीबाद बाजार में कौशल बिहारी नामक बदमाश के कथित कार्यालय को तोड़ने की तैयारी में है। बताया जाता है कि उसने अपने कार्यालय के अंदर अपने सहयोगियों के साथ बीते 28 जुलाई को सेक्टर-2 निवासी राजकुमार सिंह की हत्या लाठी-डंडे से मारकर कर दी थी। शव को कोऑपरेटिव कॉलोनी के जंगल में फेंक दिया था। उसके बाद से कांड में शामिल कई बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन कौशल बिहारी अब तक फरार है। संभावना जताई जा रही है कि दुर्गापूजा के बाद उसे भी पुलिस ध्वस्त कर देगी। पुलिस का मानना है उस कथित कार्यालय से ही वह रंगदारी के साथ कई तरह के आपराधिक गतिविधियों को संचालित करता था। पुलिस के अधिकारियों की मानें तो बोकारो शहर में बीएसएल की जमीन पर झोपड़ी और पक्का मकान बनाकर कई आपराधिक प्रवृति में संलिप्त लोगों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी की जा सकती है।

टपकती छतें और कार्यालय में जल-जमाव एसडीओ ऑफिस की निशानी

बोकारो थर्मल : लगातार हो रही बारिश के कारण तेनुघाट स्थित बेरमो एसडीएम कार्यालय का हाल बेहाल है। एसडीएम कार्यालय की छतों एवं दीवारों से रिसता पानी तथा सामान्य शाखा, नजारत एवं एसडीएम कोर्ट के कमरे का हाल टपकती छतों एवं कमरों तथा कार्यालय की फर्श पर जल जमाव के कारण पूरी तरह से बेहाल है। छतों से पानी टपकने का जो सिलसिला है, उससे सामान्य शाखा एवं नजारत के कमरों में रखे कागजी रिकार्ड एवं दस्तावेज को बचाने में काफी मशक्कत उठानी पड़ रही है। एसडीएम कार्यालय की दीवारों से पानी रिसाव के कारण सारा रंग-रोगन बदरंग हो गया है। एसडीएम कोर्ट की स्थिति भी इसी तरह की है। मामले को लेकर बेरमो एसडीएम अनंत कुमार से पूछे जाने पर उनका कहना था कि कार्यालय एवं कार्यालय की अन्य सभी शाखाओं के कमरों एवं कोर्ट के कमरे की मरम्मत एवं नये भवन निर्माण को लेकर उनके द्वारा भवन निर्माण विभाग को कितनी बार लिखा गया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण पूरे कार्यालय परिसर के सभी कमरों की छतों से पानी टपक रहा है, जिससे फर्श पर जल का जमाव होता है और काम करने में असुविधा होती है।

हिदायत जिला खनन टास्क फोर्स समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए गए दिशा-निर्देश

अभियान चलाकर अवैध खनन पर लगाएं रोक : उपायुक्त

संवाददाता

बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने शनिवार को जिला खनन टास्क फोर्स समिति की बैठक की। उपायुक्त ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार समीक्षा की। जिला खनन पदाधिकारी ने किए गए अनुपालन कार्रवाई की जानकारी दी। डीसी ने जिला खनन टास्क फोर्स कमेटी, अनुमंडल, अंचल कमेटी को अभियान चलाकर अवैध खनन पर प्रभावी तरीके से अंकुश लगाने का निर्देश दिया। कहा कि क्षेत्र में सुनिश्चित करें कि कहीं किसी तरह के बंद खदानों व गुफा बनाकर खनिज का खनन नहीं हो। इसमें किसी भी तरह की कोई सुस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने आवश्यकतानुसार चेक पोस्ट बनाने एवं दंडाधिकारी-पुलिस टीम प्रतिनियुक्ति को लेकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने रेलवे कोल साइडिंग का निरीक्षण करने को कहा। साथ ही, विभिन्न कोल कंपनियों द्वारा अधिग्रहित क्षेत्र में किसी तरह का अवैध खनन नहीं होने संबंधित पत्र लेने को कहा। उन्होंने पत्थर खनन क्षेत्र, क्रशर मिलों का भी औचक निरीक्षण करते हुए कार्रवाई करने को कहा।

संलिप्त लोगों पर कराएं प्राथमिकी : एसपी

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक चंदन झा ने पुलिस पदाधिकारियों को कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने इन कार्यों में लिप्त लोगों को चिह्नित करते हुए नामजद प्राथमिकी दर्ज करने की बात कही। अंचलाधिकारियों को थाना प्रभारियों-एसडीपीओ के साथ समन्वय बनाकर छापेमारी करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिया। मौके पर जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह, एसडीओ चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला परिवहन पदाधिकारी संजीव कुमार, मुख्यालय डीएसपी मुकेश कुमार, चास एसडीपीओ पुरुषोत्तम कुमार, बेरमो एसडीपीओ सतीश चंद्र झा, सभी अंचलाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, विभिन्न कोयला कंपनियों के महाप्रबंधक, धनबाद रेल मंडल के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

हफ्ते की हलचल

प्राचार्यों ने सीखे अध्यापन-नेतृत्व के गुर

बोकारो : सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) के संयोजन में डॉ. राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स द्वारा 'पेडगॉजिकल लीडरशिप' (अध्यापन-नेतृत्व) विषय पर दो-दिवसीय प्रशिक्षण डीपीएस बोकारो में आयोजित किया गया। इसमें कॉम्प्लेक्स से जुड़े बोकारो के 36 विद्यालयों के प्राचार्यों सहित विभिन्न स्कूलों के कई प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन डीपीएस वाराणसी के प्राचार्य मुकेश शेलत ने कहा कि बदलते समय के साथ जीवन के हर क्षेत्र में बदलाव आया है और अब शिक्षण व अध्यापन की व्यवस्था में भी परिवर्तन जरूरी है। इसके लिए विद्यालयों के प्राचार्यों को स्वयं आगे आना होगा। एक विजन और मिशन के साथ जब तक वे नेतृत्वकर्ता नहीं बनेंगे, पुरानी सोच और पुरानी व्यवस्था में बदलाव संभव नहीं है। एक सफल नेतृत्वकर्ता के लिए आवश्यक मानदंडों पर चर्चा करते हुए उन्होंने टीम भावना, सीखने की संस्कृति विकसित करने, आत्मजागरूकता, विजन व मिशन के लिए समुचित प्लानिंग और रोडमैप तैयार करने सहित संबंधित कई चीजों की अनिवार्यता पर बल दिया। कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष, सीबीएसई बोकारो के सिटी कोऑर्डिनेटर सह डीपीएस बोकारो के प्राचार्य ए. एस. गंगवार ने इस प्रशिक्षण के उद्देश्यों और उपादेयता पर प्रकाश डाला। मौके पर कॉम्प्लेक्स के कोषाध्यक्ष सह जिला प्रशिक्षण समन्वयक व एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य फादर रेजी सी. वर्गीस, महासचिव एआरएस पब्लिक स्कूल के प्राचार्य बिश्वजीत पात्रा, सांस्कृतिक सचिव होली क्रॉस स्कूल बालीडीह की प्राचार्या सिस्टर कमला पॉल सहित डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अरुण कुमार झा, जीजीपीएस चास के प्राचार्य उमाशंकर सिंह, जीजीपीएस बोकारो के प्राचार्य सोमेन चक्रवर्ती, श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल की प्राचार्या पी. शैलजा जयकुमार, डीपीएस चास की प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे व अन्य मौजूद रहे।

डॉ. निकेत को स्वास्थ्य मंत्री ने किया सम्मानित

बोकारो : आईएमए रांची में झासा के राज्य इकाई के नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें डॉ पीपी साह को अध्यक्ष, डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह को सचिव, डेंटल शाखा से डॉ निकेत चौधरी को संयुक्त सचिव राज्य इकाई चुना गया है। मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने सभी कार्यकारिणी के नए पदाधिकारियों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। विदित को डॉ निकेत झासा बोकारो में भी पदाधिकारी हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल में इनोवेशन काउंसिल का गठन

बोकारो : बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-4 स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल में प्राचार्य एके झा की अध्यक्षता में स्कूल इनोवेशन काउंसिल के क्रियाकलापों पर विचार किया गया। कक्षा 6वीं से 9वीं के छात्रों की रचनात्मक एवं विविधात्मक प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने के लिए स्कूल स्तर पर डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को आधुनिक शिक्षा, क्रियाकलाप और अपशिष्ट सामग्री का पुनर्निर्माण के साथ-साथ इनोवेशन थिंकिंग द्वारा ट्रिलियन इकोनामी से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्रालय इनोवेशन सेल और सीबीएसई के सौजन्य से प्रशिक्षित शिक्षिकाएं श्रीमती रूपम, श्रीमती सोनी और श्रीमती सुधा श्रीवास्तव शामिल थीं, जिन्होंने विभिन्न प्रकार के क्रिया-कलापों और इनोवेशन द्वारा बच्चों को ट्रिलियन इकोनामी की महत्ता के बारे में समझाया। इस अवसर पर प्राचार्य श्री झा ने कहा कि आज के युवा वर्ग को नौकरी और व्यवसाय-निर्माता बनाने की आवश्यकता है।

दुगार्पूजा को ले शांति समिति की बैठकें आयोजित

गोमिया : दुगार्पूजा को लेकर शनिवार को गोमिया थाना व आईएल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी कपिल कुमार ने की। बैठक में पूजा को लेकर सरकार की ओर से दिए गए दिशा-निर्देश के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इसमें कहा गया कि पूजा में काफी ज्यादा भीड़ रहती है, इस कारण हर गेट और चौक-चौराहे पर पुलिस की पहरेदारी और चौक कन्नी नजर की जरूरत है। सभी पूजा पंडाल में सीसीटीवी कैमरा, रिकॉर्डेड डीजे पर प्रतिबंध, सफाई व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग अग्निशामक उपकरण, शॉर्ट सर्किट सिस्टम की व्यवस्था सिस्टम की व्यवस्था होनी चाहिए। मौके पर गोमिया थाना प्रभारी राजेश रंजन, जिप सदस्य डॉ. सुरेंद्र राज, जनप्रतिनिधि सपना कुमारी, बलराम रजक, वार्ड सदस्य, शांति समिति के कई सदस्य व गणमान्य व्यक्ति थे। आईईएल थाना में थाना प्रभारी अभिषेक महतो जनप्रतिनिधि शांति देवी, अंशु कुमारी, उपमुखिया सुमित गुप्ता, वार्ड सदस्य शांति समिति के सदस्य व जुल्फीकार आलम, मोहम्मद आलम, सलीम अंसारी, मुहाफिज आलम, सलाम अंसारी आदि मौजूद रहे।

1932 खतियान के मुद्दे पर फिर मंथन करेगी सरकार

विशेष संवाददाता

रांची : 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय और नियोजन नीति पर सरकार में अंदरूनी बगावती स्वर को देखते हुए मुख्यमंत्री ने संजीदगी दिखाई है। इस पर सरकार एक बार फिर गहन मंथन करने की रणनीति बना रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकार का यह फैसला कई विधायकों और सांसदों को गले के नीचे नहीं उतर रहा था। यही वजह है कि पार्टी के फैसले से इतर कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद गीता कोड़ा और उनके पति पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कैबिनेट के निर्णय आते ही इस फैसले को मुखालफत कर दी। झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह ने भी सरकार के इस निर्णय का खुलकर विरोध किया। इसके बाद बीते दिनों मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर यूपीए विधायकों की बैठक बुलाई और विशेष तौर पर सांसद गीता कोड़ा को भी बैठक में बुलाया गया। कहने को तो विधायकों को यह कहा गया था कि उनके साथ मुख्यमंत्री क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करेंगे। समस्याओं पर चर्चा भी हुई, लेकिन मुख्य रूप से 1932 पर भी मुख्यमंत्री ने बात की। उन्होंने सांसद गीता कोड़ा और विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह की बातों को सुना भी। कांग्रेस के कई अन्य विधायकों ने भी मुख्यमंत्री के समक्ष स्थानीय नीति से आ रही परेशानी को रखा। कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला ने भी बैठक में स्थानीय नीति की दबी जुबान से ही मुखालफत की।

यूपीए विधायकों की मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारे में एक बार फिर से चर्चा में है। कहा जा रहा है कि विधायकों से क्षेत्र की समस्या जानने के लिए मुख्यमंत्री ने बैठक बुलाई थी, लेकिन बैठक की मुख्य वजह विधायकों की संख्या की गणना करने था। दुर्गा पूजा को लेकर कई विधायक क्षेत्र से नहीं आना चाहते थे।

कांग्रेस की सभी पांचों महिला विधायकों और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की भाभी सीता सोरेन का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम उदयपुर राजस्थान में था। वहां इन विधायकों को लाल बहादुर शास्त्री अकादमी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। जानकारी के अनुसार कई विधायकों ने टिकट भी कटा लिया था, लेकिन अंतिम समय मे उन्हें जाने से रोक दिया गया। दरअसल, विधानसभा के विस्तारित सत्र 5 सितंबर को समाप्त हुआ था और उसके बाद मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों के साथ बैठक कर सबों को क्षेत्र जाने को कहा था। उसके बाद से पिछले 15 दिनों से यूपीए के सभी विधायक अपने अपने क्षेत्र में ही थे। कहा जा रहा है कि इन्हीं सब बातों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी विधायकों की बैठक बुलायी और संख्या बल का भी अंदाजा ले लिया, क्योंकि जब विधायकों ने 1932 खतियान से आ रही परेशानी की बात की तो इसपर यह कहा गया कि बहुत जल्द इस मसले पर फिर से बैठक होगी।

नवरात्रि के प्रथम दो दिवसों में होगा निखिल शिष्यों का जुटान

फुसरो में दुर्गा सायुज्य त्रिशक्ति साधना शिविर को लेकर सभी तैयारियां पूरी

संवाददाता

बेरमो : अंतरराष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार एवं निखिल मंत्र विज्ञान की ओर से जिले के बेरमो-फुसरो स्थित शारदा कॉलोनी फुटबॉल मैदान में सोमवार से दो-दिवसीय भगवती दुर्गा सायुज्य त्रिशक्ति साधना शिविर का आयोजन होने जा रहा है। परमहंस स्वामी निखिलेश्वरनन्द जी (डॉ नारायण दत्त श्रीमाली) एवं माता भगवती की दिव्य छत्रछाया में आयोजित इस शिविर में झारखंड सहित अन्य राज्यों से हजारों की संख्या में निखिल शिष्यों का जुटान होगा, जिसमें गुरुदेव श्री नन्दकिशोर श्रीमाली जी उन्हें गुरुदीक्षा के साथ-साथ त्रिशक्ति जगदम्बा भगवती महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती की कृपा प्राप्ति हेतु विशेष प्रकार की शक्तिपात दीक्षाएं प्रदान करेंगे। इसके साथ ही साधकों से नवरात्रि की साधनाएं भी सम्पन्न करवाएंगे। शिविर का संचालन निखिल मंत्र विज्ञान के संयोजक मनोज भारद्वाज करेंगे। साथ ही महेन्द्र सिंह मानकर के भजन गायन से वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। शिविर की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पंडाल निर्माण सहित अन्य सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजक मंडल के सभी सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने की तैयारी में दिन-रात लगे हैं।

पत्रकार अमित मिश्रा के निधन से शोक की लहर

रांची : वरिष्ठ पत्रकार एवं संपादक ज्ञानवर्धन मिश्र के ज्येष्ठ पुत्र पत्रकार अमित मिश्रा का शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से पूरे झारखंड के पत्रकार-जगत में शोक की लहर देखी जा रही है। अमित वर्तमान में दैनिक भास्कर डिजिटल समूह में काम कर रहे थे और पिछले कुछ महीनों से कैंसर से जूझ रहे थे। स्व. अमित अत्यंत मृदु स्वभाव, हंसमुख अंदाज और मिलनसार प्रवृत्ति के धनी थे। अमित मिश्रा ने यूएनआई एजेंसी, ईटीवी सहित कई मीडिया प्रतिष्ठानों में काम किया था। भागलपुर स्मार्ट सिटी के पीआरओ के तौर पर काम करने के बाद फिलहाल वह भास्कर डिजिटल के लिए काम कर रहे थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को दुःख की इस घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

सामाजिक दायित्व को ले 'टाइगर फोर्स' ने बढ़ाए कदम

मानवता की सेवा से बढ़कर कोई पूजा नहीं : संतोष

संवाददाता

देवघर : देवघर जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष पासवान की ओर नवसंगठित टाइगर फोर्स ने सामाजिक उत्तरदायित्व को लेकर भी अपने सक्रिय कदम बढ़ा दिए हैं। संगठन की ओर से देवघर नगर निगम अंतर्गत वार्ड संख्या- एक संथाली क्षेत्र में एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर के साथ इस कड़ी की शुरुआत हुई। इस शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ईसीजी, बीएमआई के अलावा और भी विभिन्न प्रकार की शारीरिक जांच मुफ्त की गई। शिविर में लगभग 200 से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए। शिविर डॉ. एनके दुबे और बुलुम डायग्नॉस्टिक सेंटर, सुभाष चौक के सहयोग से आयोजित किया गया। श्री पासवान ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा और नर सेवा ही नारायण की सेवा है। उन्होंने बताया कि टाइगर फोर्स की ओर से हर रविवार को देवघर शहर के विभिन्न जगहों पर एसपी टाइगर फोर्स और बुलुम डायग्नॉस्टिक सेंटर की तरफ से इस प्रकार का मुफ्त शारीरिक जांच शिविर लगाया जाता रहेगा।

हरदिया : अमृत सरोवर के काम में गड़बड़ी, कनीय अभियंता को शोकॉज

पुपरी : पुपरी प्रखंड की हरदिया पंचायत के ग्राम सम्हौली में सरकारी पोखर (अमृत सरोवर) के कामकाज में भारी लापरवाही सामने आई है। इसे लेकर जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने कार्य के कनीय अभियंता को शोकॉज जारी किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों व पंचायतों में संचालित सरकार की विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जांच के क्रम में जिलाधिकारी पुपरी प्रखंड के हरदिया पंचायत एवं बछारपुर पंचायत पहुंचे। हरदिया में पोखर का जीर्णोद्धार, उड़ाही और चारों तरफ वृक्षारोपण का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया। पोखर के चारों तरफ बनी मेढ़ का कार्य (मिट्टी भराई) भी संतोषजनक नहीं पाया गया। इस क्रम में पोखर की गहराई की मापी भी कराई गई, जो संतोषजनक नहीं थी। इस पर जिलाधिकारी ने सख्त नाराजगी प्रकट करते हुए कनीय अभियंता अमित कुमार से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। साथ ही मनरेगा डीपीओ को निर्देशित किया कि एक सप्ताह के अंदर अधूरे कार्यों को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर (सरकारी पोखर) से संबंधित जो तय मापदंड है उक्त के अनुरूप क्रियान्वयन करना सुनिश्चित किया जाए। पोखर के आस-पास बसे हुए परिवारों को कैंप लगाकर मनरेगा जॉब कार्ड देने के साथ उन्हें कार्य आवंटित करने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही आवास के अभाव में किसी तरह रह रहे परिवारों को सरकारी योजनाओं से आच्छादित कर शीघ्र ही आवास उपलब्ध कराने का निर्देश बीडीओ को दिया।

उसी पंचायत में वृक्षारोपण कार्य का भी मुआयना जिलाधिकारी के द्वारा किया गया। पौधे की रोपाई एवं उसका देखरेख तय मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। इसे देखते हुए जिलाधिकारी ने हरदिया पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक राजू कुमार से स्पष्टीकरण पूछने एवं उन पर प्राथमिक दर्ज करने का निर्देश दिया एवं पुपरी प्रखंड के कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा से भी स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया। वहीं, बछारपुर पंचायत के वार्ड नंबर 08 एवं 10 में गली नली एवं नल -जल योजनाओं का काम संतोषजनक मिला।

मिथिला डायरी

सहकारिता नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, चास : 12 DHN/86

सूचना

बिहार स्टेट हाउसिंग को-ऑपरेटिव फेडरेशन, पटना के द्वारा बोकारो परिक्षेत्र के योजनाबद्ध विकास के प्रस्ताव पर तत्कालीन मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय समिति द्वारा मास्टर प्लान बनाकर सभी सोसाइटी ग्रुप के समन्वयन के लिए फेडरेशन ने जो भू क्रय के लिए ऋण दिया, उसे बाद में फेडरेशन ने अपरिहार्य कारण से स्थगित कर ऋण वापसी की मांग की। अतः आमसभा ने परिक्षेत्र के बाहर की सभी जमीन बिक्री कर सभी मांग अनुसार रकम वापस करने के लिए निदेशक मंडल को अधिकृत किया। उसी आलोक में दोनों पक्षों की उचित सहमति से जमीन बिक्री की जा रही है।

दिलीप कुमार झा
सचिव

प्रभाकर झा
अध्यक्ष

दिनांक : 23/09/2022

केवल उत्सव नहीं, साधना-पर्व है नवरात्रि

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

आश्विन नवरात्रि का समय आता है तो प्रत्येक मनुष्य प्रसन्न हो जाता है। यहां तक कि प्रकृति भी हरियाली से युक्त अपने पूरे सौन्दर्य, निखार के साथ होती है। मौसम, वातावरण भी अत्यंत अनुकूल होता है। भारतवर्ष में उत्सवों को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। फिर विचार आता है कि हजारों सालों से चली आ रही इस परंपरा के पीछे उद्देश्य क्या है? यह निश्चित है कि हर क्रिया के पीछे एक उद्देश्य होता है। आखिर शक्ति क्या है? मनुष्य जीवन क्या है? हमारा कर्म क्या है? हमारी जीवन यात्रा कैसी हो? इन सब के उत्तर मुझे 'दुर्गा सप्तशती' में प्राप्त हुए उस आद्या शक्ति भगवती जगदम्बा को नमन करते हुए।

दुर्गा सप्तशती आप बार-बार पढ़िए और उसमें विशेष रूप से पांचवें अध्याय के नौवें श्लोक से 80 वें श्लोक तक अध्ययन करें, उसका मनन करें। इन श्लोकों में ही दुर्गा का मूल स्वरूप समझाते हुए उनकी वंदना की गई है।

दुर्गा शक्ति कौन?

दुर्गा शक्ति जो महादेवी हैं, शिव शक्ति हैं, प्रकृति हैं, भद्रा हैं, भाग्य नियंता हैं, जो रौद्र स्वरूपा हैं, गौरी स्वरूपा हैं, ज्योत्सना स्वरूप हैं, सतत्, निरंतर सुख देने वाली हैं, कल्याण, वृद्धि, सिद्धि, कार्य प्रदान करने वाली हैं। नैऋत्य कोण में रहने वाली पृथ्वी स्वरूपा लक्ष्मी, जो सारी शक्तियों की आधार-शक्ति, सर्व कार्यों की जनक ख्याति स्वरूपा और धूम्र स्वरूपा हैं, उस शक्ति को प्रणाम कहा गया है, उसी शक्ति को जगदम्बा कहा गया है। आगे मैं उन्हीं श्लोकों में दुर्गा के जो शक्ति स्वरूप बताए गए हैं, उनको आपके लिए स्पष्ट कर रहा हूं:-

या देवी सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयते नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

चेतना स्वरूप- दुर्गा मूर्ति नहीं है, प्राणियों में चेतना स्वरूप हैं। दुर्गा आराधना बाह्य वातावरण और आंतरिक भाव जानकर सदैव चैतन्य रहने की क्रिया है। जिस मनुष्य में चेतना नहीं है, वह श्वास तो ले रहा है, लेकिन उसमें प्राण नहीं है। प्राणवान बनने के लिए अपनी चेतना का निरंतर विकास करना आवश्यक है। जो कुछ चारों ओर घटित हो रहा है, उसे जानो, समझो और उसके अनुसार चैतन्य बनकर निर्णय लो।

या देवी सर्वभूतेषु बुद्धिरूपेण संस्थिता...

बुद्धि स्वरूप- बुद्धि का तात्पर्य है ज्ञान, विवेक, निर्णय लेने की क्षमता। यह गुण मनुष्य में विद्यमान अवश्य रहते हैं, लेकिन बाह्य प्रभाव के कारण कई बार बुद्धि भ्रमित हो जाती है, विचार करने की क्षमता कुंद पड़ जाती है, जल्दबाजी में निर्णय लेताा है। इसलिए जगदम्बा को बुद्धि रूप में नमन करते हुए अपने आज्ञा-चक्र में स्थापित करना है और अपने ज्ञान, विवेक से निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी है।

या देवी सर्वभूतेषु निद्रारूपेण संस्थिता...

विद्या स्वरूप- शरीर एवं इन्द्रियों को विश्राम देने के लिए निद्रा आवश्यक है। एक निद्रा शरीर की निद्रा कहलाती है, जो स्वाभाविक है। हर व्यक्ति 8 घंटे निद्रा प्राप्त करना चाहता है, लेकिन एक निद्रा अज्ञान की निद्रा है, जिसमें मनुष्य एक बार खो जाए तो उस अंधकार से निकल नहीं पाता है। भगवती जगदम्बा की निद्रा रूप में आराधना इस बात का ज्ञान देती है कि अपनी निद्रा में खो नहीं जाएं, देह को विश्राम दें, लेकिन हमारी बुद्धि मोहपाश की मुद्रा में न चली जाए।

या देवी सर्वभूतेषु क्षुधारूपेण संस्थिता...

क्षुधा स्वरूप- शरीर की भूख आहार से समाप्त होती है, शक्ति भी एक ऐसी ही भूख है, जो अग्नि रूपा है। यह जीवन एक निरंतर चलने वाला यज्ञ है, जिसमें हर समय आहुति डालना आवश्यक है। एक बार जीवन अग्नि की भूख शांत हो गई तो देह समाप्त हो जाती है। दुर्गा शक्ति को क्षुधा रूप में जागृत करना भगवती दुर्गा की वास्तविक पूजा है, जिसमें हम जीवन-यज्ञ में कर्म रूपी आहुति निरन्तर डालते रहें और वह आहुति निरन्तर चलती रहे, जिससे जीवन आलोकित हो सके।

या देवी सर्वभूतेषुच्छायारूपेण संस्थिता...

छाया स्वरूप- हर प्राणी की प्रतिछाया अवश्य बनती है। यदि पीछे से प्रकाश है तो वह छाया आगे रहती है और यदि आगे प्रकाश है तो पीछे आया अवश्य रहती है। शक्ति इसी छाया का स्वरूप है। इसे मनुष्य का बिम्ब कह सकते हैं। जब तक यह छाया है, मनुष्य जागृत है। अंधेरा अर्थात् अज्ञान में खोए हुए व्यक्ति की कोई छाया नहीं होती। देवी जगदम्बा जागृत मनुष्य अर्थात् चैतन्यवान, ज्ञान, विवेक मनुष्य के साथ छाया रूप में रहती है। इसलिए हम प्रार्थना करते हैं कि यह भगवती जगदम्बा! छाया स्वरूप में आप हर समय साथ रहें, कभी भी अलग न हों।

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता...

शक्ति स्वरूप- शक्ति का तात्पर्य पूर्ण पुरुषार्थ, जिसमें बल, बुद्धि,

भगवती जगदम्बा विवेचन : (नवरात्रि : 26 सितम्बर से 4 अक्टूबर, 2022 पर विशेष)

ज्ञान, विवेक, प्रयत्न, कर्म, सभी क्रियाएं सम्मिलित हैं। शक्ति सभी दिशाओं में गतिशील रहती है। इसलिए गति को सबसे बड़ी शक्ति कहा गया है। दुर्गा साधना के पीछे हमारा मूल उद्देश्य पूर्ण शक्ति प्राप्त करना है। अर्थात् शारीरिक बल के साथ-साथ मानसिक बल भी और पूर्ण आरोग्य प्राप्त करना भी है। ऐसी शक्ति हमारे जीवन में आए, जिसका उपयोग हम श्रेष्ठता के लिए कर सकें, यही मनुष्य का पुरुषार्थ है।

या देवी सर्वभूतेषु तृष्णारूपेण संस्थिता...

तृष्णा रूपेण- सारे कथाकार कहते हैं कि मनुष्य में तृष्णा नहीं होनी चाहिए। तृष्णा मनुष्य को संसार के भंवर जाल में फंसा देती है, लेकिन दुर्गा सप्तशती के इस श्लोक में देवता स्वयं स्तुति करते हुए कहते हैं कि हे देवी! आप इस संसार में तृष्णा स्वरूप हैं, आपको वन्दन। वास्तव में तृष्णा ही मनुष्य को आगे बढ़ने की शक्ति देती है। इसीलिए मनुष्य अपना परिवार बनाता है, निर्माण करता है, नए आविष्कार करता है, वैभव-विलास की वस्तुएं प्राप्त करना चाहता है। तृष्णा अपने आप में बड़ी शक्ति है। तृष्णा शक्ति का सही उपयोग करना अति आवश्यक है। कर्म विहीन एवं उद्देश्यहीन तृष्णा मनुष्य को विनाश की ओर बढ़ाती है, जिस प्रकार रावण, दुर्योधन आदि ने अपनी अप्राकृतिक तृष्णा को बढ़ाया और उनका हश्र आपके समक्ष है। इस नवरात्रि में दुर्गा की शक्ति को अपने साथ जोड़कर अपनी तृष्णा को सही दिशा दें।

या देवी सर्वभूतेषु जातिरूपेण संस्थिता...

जाति स्वरूप- दुर्गा शक्ति की जाती स्वरूप में वन्दना करने के पीछे यह भाव है कि संसार में कीट-पतंगे से लेकर विशाल जलचर, नभचर लाखों प्रकार के प्राणी हैं। इन प्राणियों को जाति रूप में संबोधित किया जाता है। मूल प्रकृति देवी सभी प्राणियों में विद्यमान हैं। भगवती दुर्गा की आराधना जाति-शक्ति के रूप में करने के पीछे यह भावना है कि हे देवी! आपने हमें मनुष्य जाति का स्वरूप प्रदान किया, इस जाति में हमें सब प्रकार की शक्तियां प्राप्त हुईं, इन शक्तियों का उपयोग कर हम निरन्तर उच्चता की ओर गतिशील हों। आप समस्त जातियों में विद्यमान हैं, प्रत्येक जीवात्मा आपका ही स्वरूप है और सभी को आपने इस संसार में आयु भोगने का अधिकार दिया है। हम मनुष्य जाति के रूप में अपनी आयु पूर्णता के साथ भोगें और निरंतर कल्याणकारी कार्य करते रहें।

या देवी सर्वभूतेषु लज्जारूपेण संस्थिता...

लज्जा रूपेण- देवताओं द्वारा लज्जा रूप में जगदंबा की वंदना का सांसारिक अर्थ शर्म नहीं है। लज्जा का तात्पर्य है- मर्यादा। इस संसार में जो और मर्यादित जीवन जीता है, उसे ही महान कहा गया है। हजारों प्रकार के लोभ आते हैं, हजारों प्रकार की बुरी आदतें, व्यसन जीवन को विचलित कर सकते हैं। लज्जा शक्ति होने पर मनुष्य एक मर्यादित जीवन जीता है, जिससे संसार में सारे संबंधों का निर्वाह होता है। यदि मनुष्य में लज्जा, मर्यादा समाप्त हो जाए तो वह पशु बन जाता है। इसलिए भगवती जगदम्बा से प्रार्थना है, उनकी लज्जा रूपेण शक्ति को नमन है कि वह हमें अपने लज्जा रूप से, मर्यादा रूप से सुशोभित करें।

या देवी सर्वभूतेषु शान्तिरूपेण संस्थिता...

शान्ति रूपेण- जीवन में लक्ष्य होते हैं और कार्य होता है। हर कार्य का उद्देश्य शांति और संतोष प्राप्त करना है। जिसके जीवन में शांति और संतोष नहीं, वह संसार में हजार पिशाचों के बीच में भेड़ की तरह मिमियाते हुए जीवन जीता है। शांति और संतोष जीवन का सबसे बड़ा आभूषण है। जगदंबा हमारे भीतर के उद्वेग, विकारों को समाप्त कर पूर्ण असीम शांति और संतोष प्रदान करें। यही जगदंबा की शांति स्वरूप शक्ति है।

या देवी सर्वभूतेषु श्रद्धारूपेण संस्थिता...

श्रद्धा स्वरूप- श्रद्धा का सीधा अर्थ है- समर्पण भाव, विनम्रता। श्रद्धा गुरु, ईश्वर, देवता के प्रति व्यक्त की जाती है और संसार में शील और श्रद्धा महागुण कहे गए हैं। घृणा का नाश हो, द्वेष का नाश हो और उस आद्या शक्ति को नमन करें, जो हमारे भीतर श्रद्धा तत्व जागृत करती हैं। 'श्रद्धावान लभ्यते...' जो जीवन में श्रद्धा रखता है, वही लाभ प्राप्त करता है। शंकालु और अश्रद्धावान व्यक्ति सदैव अकेला रहता है और भीतर ही भीतर घुंटता रहता है। जगदंबा शक्ति श्रद्धा तत्व के रूप में हमारे जीवन में अवश्य आएं।

या देवी सर्वभूतेषु कान्तिरूपेण संस्थिता...

कान्ति स्वरूप- तेज प्रकाश, प्रभा सब कांति का स्वरुप है। आकर्षण-सम्मोहन शक्ति कांति स्वरूप व्यक्तित्व में ही आ सकती है। केवल और केवल दुर्गा शक्ति ही कान्ति प्रदान करने वाली हैं। जब मनुष्य अपने कार्यों को परिपूर्ण करता है तो शील और संतोष से युक्त होता है तो उसके हाव-भाव, चेहरे पर जो प्रकाश आता है, वह कांति कहलाती है। आद्या शक्ति कान्ति स्वरूप में आएं और यह कांति सदैव बनी रहे, यही जगदम्बा की आराधना है।

या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता...

लक्ष्मी स्वरूप- यहां लक्ष्मी का सीधा-सादा अर्थ धन है। इसी अध्याय में एक श्लोक में जगदम्बा का नाम 'विष्णु मायेति...' अर्थात् जो विष्णु की माया सकती हैं, वह लक्ष्मी सकती हैं, जो इस संसार में गृहस्थों का आधार है। इस संसार में चलन केवल लक्ष्मी के आधार पर संभव है। लक्ष्मी केवल आदान-प्रदान करने की वस्तु नहीं है, लक्ष्मी का तात्पर्य अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करना, उसका फल प्राप्त करना है, जिससे इस अर्थ-जगत में हम आनंद प्राप्त कर सकें। ऐसी आद्याशक्ति लक्ष्मी दुर्गा हमारे जीवन में अवश्य आएं।

या देवी सर्वभूतेषु वृत्तिरूपेण संस्थिता...

वृत्ति रूपेण- वृत्ति का तात्पर्य है- जीविका। हजारों प्रकार की वृत्तियां हैं, कार्य हैं, आजीविका के साधन हैं और वृत्ति का अर्थ विचार भी है। विचारों के अनुसार हमारे कार्य आगे बढ़ते हैं। दुष्ट प्रवृत्ति और सद्प्रवृत्ति इस संसार में ही व्याप्त हैं। भगवती जगदंमा ही हमें वह श्रेष्ठ वृत्ति प्रदान करती हैं, जिससे हम दुष्प्रवृत्तियों का नाश कर अपनी सद्वृत्तियों का विकास करते हैं। जगदम्बा स्वयं समझाती हैं कि किस प्रकार मैंने दुष्टों का नाश किया, उसी प्रकार मनुष्य अपने जीवन में दुष्ट प्रवृत्तियों को रक्तबीज की तरह पूर्ण रूप से समाप्त कर दे। नवरात्रि में इस शक्ति की आराधना अति आवश्यक है।

या देवी सर्वभूतेषु स्मृतिरूपेण संस्थिता...

स्मृति स्वरूप- क्षण-क्षण उस आद्या शक्ति को याद रखना, जिसने हमें जीवन प्रदान किया है। अपनी स्मृतियों में उन मधुर क्षणों को याद रखना, जब हमने जीवन-यात्रा में कदम बढ़ाए, अपनी स्मृति में श्रेष्ठता को स्थान देना, अपनी स्मृति में उन अशुद्ध विचारों, बातों को भुला देना, जो हमारे लिए कष्टकारी थीं। यह बड़ा ही मुश्किल कार्य है। इसलिए आद्या शक्ति को स्मृति कहा गया है। स्मृति भूत, भविष्य, वर्तमान सबका कालपट्ट है। इस कालपट्ट पर हम श्रेष्ठ बातें लिखें और अपने जीवन में स्थापित कर दें, यही स्मृति शक्ति है।

या देवी सर्वभूतेषु दयारूपेण संस्थिता...

दया स्वरूप- भगवती दुर्गा के इस स्वरूप को बारम्बार वंदन! दया..., ईश्वर को दयानिधान, करुणा-सागर कहा गया है। हम ईश्वर के अंश हैं। मनुष्य और राक्षस में अन्तर केवल दया का ही है। कंस, रावण राक्षस इसीलिए कह गए कि उन्होंने जीवन में छल-कपट और निर्दयता की। दया की शक्ति उसी में आ सकती है, जो दूसरों का भला करने में समर्थ हो। दया गरीबी में नहीं है, दया कुछ प्राप्त कर दान देने में है। श्रेष्ठ, सुकृत कार्य करने में है। दया दूसरों को क्षमा करने में है। भगवती जगदम्बा पूर्ण त्रैलोक्य विजय शक्ति संपन्न होते हुए भी दया तत्वों की आधार भूता शक्ति हैं। निर्बल पर दया करते हुए उसे सहयोग करें, ऐसी शक्ति हमें प्राप्त होती रहे, ऐसे सद्गुण का, दया तत्व का विकास होता रहे।

या देवी सर्वभूतेषु तुष्टिरूपेण संस्थिता...

तुष्टि स्वरूप- संतुष्ट किसे कहते हैं..., जो अपनी ज्ञानमय बुद्धि, कर्म से अपने लक्ष्य को प्राप्त करता है। ज्यादातर लोग इस संसार में चिड़चिड़े और और असंतुष्ट रहते हैं। वे अपनी गलतियों के लिए दूसरों को दोषी ठहराते हैं। तुष्ट रहना एक महान गुण है। ईर्ष्या करना एक महादोष है। जो ईर्ष्या चक्र में एक बार फंस जाता है, वह अपना सर्वनाश कर लेता है। जगदंबा हम सब में तुष्टि प्रदान करने वाली अधिष्ठात्री देवी हैं। हम जो कुछ प्राप्त कर रहे हैं, उसमें संतोष रखते हुए, तुष्ट और पुष्ट रहते हुए आगे बढ़ते रहें, यही श्रेष्ठ मनुष्यता है। यह गुण हमारे जीवन में हर क्षण आना चाहिए, तभी दुर्गा की आराधना पूर्ण है।

इसके अलावा भगवती दुर्गा के कई रूप स्वरूप की वंदना देवताओं ने की है और हम आरती में भी करते रहते हैं। लेकिन, कितने स्वरूपों को हम अपने जीवन में उतारते हैं, यह मुख्य बात है। दुर्गा स्तुति का तात्पर्य शक्ति के इन स्वरूपों को अपने मन-बुद्धि, विचार-कर्म, देह में उतारना है। एक दिन में यह स्थिति नहीं आ सकती। इसीलिए शक्ति की आराधना एक शतत् और निरंतर प्रक्रिया है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

नवदुर्गा की आराधना का माह आश्विन

- बी. कृष्णा नारायण

नवदुर्गा की आराधना का माह आश्विन माह है। दैवीय शक्ति के आह्वान का महीना आश्विन माह है। शक्ति जागरण का माह भी कहते हैं इसे। अपनी जीवनी शक्ति के लिए शक्ति के नए केंद्र से लय स्थापित कर एकाकार होने का माह है अश्विन माह। महिषासुर के आतंक से त्रस्त सभी देव मिलकर जिस शक्ति को जागृत करके उसे अपनी शक्ति प्रदान करते हैं, उसी सामूहिक शक्ति का नाम दुर्गा है। दुर्गा के नौ रूप की आराधना नवरात्रि में की जाती है। देवी कवच में शक्ति के नौ रूप क्रम से इस प्रकार हैं-

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी।
तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम् ।।
पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।
सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम् ।।
नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।
उक्तान्येतानि नामानि ब्रह्मणैव महात्मना ।।

1. शैलपुत्री- मूलाधार चक्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका वाहन वृषभ है। नवरात्रि के पहले दिन इनकी आराधना की जाती है। शास्त्रों में ऐसा वर्णन मिलता है कि कुण्डली में चंद्र जन्य दोषों के निवारण के लिए शैलपुत्री की आराधना की जानी चाहिए।

2. ब्रह्मचारिणी- नवरात्रि के दूसरे दिन इनकी आराधना की जाती है। स्वाधिष्ठान चक्र की अधिष्ठात्री देवी के रूप में भी इनकी आराधना की जाती है। अपने आचरण में विशेष सकारात्मक बदलाव किस प्रकार किये जाएं कि संघर्ष के समय में और कठिन परिस्थितियों में मन विचलित न हो, इसका ज्ञान हमें दुर्गा के ब्रह्मचारिणी रूप की आराधना से होता है। कुंडली में उपस्थित मंगल जन्य दोषों के निवारण के लिए ब्रह्मचारिणी की उपासना की जानी चाहिए।

3. चन्द्रघण्टा- नवरात्रि के तीसरे दिन इनकी आराधना की जाती है। मणिपुर चक्र की अधिष्ठात्री देवी के रूप में भी इनकी आराधना की जाती है। इनकी आराधना से प्रकृति का रहस्य धीरे-धीरे प्रकट होने लगता है और हमारे भीतर का अनावश्यक भय समाप्त होने लगता है। घंटे की ध्वनि से नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह शुरू होता है। कह सकते हैं कि देवी के इस रूप की आराधना का विशेष महत्व है। ये इतनी शक्तिशालिनी हैं कि प्रारब्ध के लिखे को भी बदलने का सामर्थ्य रखती हैं। इनकी आराधना से जीवन-यात्रा निर्बाध हो जाती है।

4. कुष्माण्डा- नवरात्रि के चौथे दिन इनकी आराधना की जाती है। अनहत चक्र की अधिष्ठात्री देवी के रूप में इनकी आराधना की जाती है। ब्रह्माण्ड के सृजन के मूल में जो शक्ति निहित है, उसे समझने के लिए शक्ति के कुष्मांडा रूप की अवधारणा है। नव सृजन का डिम-डिम घोष करने वाली शक्ति के रूप में इनकी आराधना की जाती है। सूर्य ग्रह पर इनका आधिपत्य है। कुंडली में यदि रोग देने वाले ग्रहों की दशा चल रही है या अन्य किसी भी प्रकार की व्याधि का संकेत मिल रहा है, तो शक्ति के इस रूप की आराधना की जानी चाहिए। इनकी आराधना से रोग का समूल नाश होता है और आरोग्य एवं बलि काया की प्राप्ति होती है।

5. स्कंदमाता- नवरात्रि के पांचवें दिन इनकी आराधना की जाती है। विशुद्धि चक्र एवं नव चेतना के निर्माण की अधिष्ठात्री देवी के रूप में इनकी उपासना की जाती है। बुध ग्रह पर इनका आधिपत्य है। कहते हैं कि एक निरक्षर व्यक्ति भी इनकी आराधना से साक्षर तो होता ही है, असीमित ज्ञान को भी प्राप्त करता है।

6. कात्यायिनी- नवरात्रि के छठे दिन इनकी आराधना की जाती है। आज्ञा चक्र की अधिष्ठात्री देवी के रूप में इनकी आराधना की जाती है। इनकी उपासना से चारों पुरुषार्थ की सहज ही प्राप्ति होती है। वृहस्पति ग्रह पर इनका आधिपत्य होने की वजह से सभी प्रकार के शोध कार्य और व्याकरण रचना इनके अधिकार क्षेत्र में आता है। कुंडली में यदि वैज्ञानिक बनने का योग है, उच्च श्रेणी के शोधकर्ता होने का योग है, वैय्याकरण बनने का योग है तो उसकी प्राप्ति के लिए शक्ति के कात्यायिनी स्वरुप की पूजा की जानी चाहिए।

7. कालरात्रि- नवरात्रि के सातवें दिन इनकी आराधना की जाती है। सहस्त्रार चक्र की अधिष्ठात्री देवी के रूप में इनकी आराधना की जाती है। इनकी उपासना से समस्त आसुरी शक्तियों का नाश होने लगता है और सिद्धि प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इनकी उपासना से भी सभी प्रकार की नकारात्मक ऊर्जा का क्षय होता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार आरम्भ होता है। व्यक्ति निर्भीक और निडर हो जाता है।

8. महागौरी- नवरात्रि के आठवें दिन इनकी आराधना की जाती है। गौर वर्णी हैं ये। संचित सभी प्रकार के पाप कर्मों का नाश इनकी आराधना से हो जाता है। कुंडली में वैवाहिक जीवन से सम्बंधित दोष यदि है तो देवी के महागौरी रूप की उपासना की जानी चाहिए।

9. सिद्धिदात्री- नवरात्रि के नौवें दिन इनकी आराधना की जाती है। नौ दिवसीय उपासना में ये अंतिम देवी हैं। मान्यता है कि इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। मन की अधिष्ठात्री देवी के रूप में इनकी आराधना की जाती है। कुंडली में यदि मनोचिकित्सक बनने का योग है तो इनकी आराधना की जानी चाहिए। कुछ लोग, जीवन में हलकी सी कोई लहर आते ही निराशा की चपेट में चले जाते हैं। वे यह सोचने लगते हैं कि, उनके जीवन में कभी कुछ अच्छा घटित ही नहीं होगा। सारी अच्छी घटनाएं दूसरों के जीवन में ही घटित होंगी। निराशावादी व्यक्ति धीरे-धीरे अपने आपको हर एक संबंधों से काटता चला जाता है। निराशा इस कदर बढ़ती जाती है कि इसकी वजह से व्यक्ति अवसाद/ विषाद की चपेट में जाता है और यहां तक कि आत्महत्या तक कर लेता है। इन सबसे पार पाने के लिए शक्ति के इस रूप के शरणागत हो जाना चाहिए। नौ दुर्गा से शक्ति प्राप्त करके अपने शरीर के भीतर मौजूद चक्रों को ऊर्ध्वाकर गति दीजिए। अपनी अपनी कुंडली को जानिए।
कुंडली का प्रथम भाव से लेकर अष्टम भाव तक संचारित होने वाले ऊर्जा के प्रवाह को जानिए। उसके साथ एकात्म स्थापित कीजिये, निर्भीक और निडर होकर सांसारिक कर्मों में प्रवृत होइए।

स्वयं को पहचानिये

स्वयं में अन्तर्निहित ऊर्जा से सम्बन्ध स्थापित कीजिये। इसको जब आप जान लेंगे तो समय रहते स्वयं में छोटे-छोटे परिवर्तनों के द्वारा रोग पर विजय प्राप्त करके ऊर्जा से भरपूर नए जीवन की शुरुआत करेंगे। इन सभी के द्वारा आप अपने लक्ष्य तक पहुंचाने वाली मार्ग के बारे में जान सकेंगे।
एक बात याद रखिए कि ईश्वर ने आपके जैसा सिर्फ आपको ही बनाया है। कोई दूसरी प्रति नहीं बनाई है। आप अद्वितीय और अप्रतिम हैं।
अंत में एक बात याद रखिए-

'नाभिषेको न संस्कारः सिंहस्य क्रियते वने
विक्रमार्जितसत्वस्य स्वयमेव मृगेन्द्रता'

शेर को किसी संस्कार के द्वारा जंगल का राजा नियुक्त नहीं किया जाता, बल्कि वह अपने बल पर राजपद हासिल करता है।

या देवी सर्वभूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद व धर्मशास्त्री हैं।)

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) - मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता-पिता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मित्रों का सहयोग। खर्च में वृद्धि। धन की प्राप्ति होगी।

वृष (ई उ ए ओ वा वी वू वे वो) - आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) - नकारात्मक विचारों से बचें। कारोबार में परिश्रम। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्च में वृद्धि। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य की समस्या परेशान कर सकती हैं।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) - वाणी में मधुरता रहेगी, परन्तु मन परेशान हो सकता है। क्रोध से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मित्रों का साथ मिलेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) - मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति होगी। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। आत्मविश्वास में कमी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) - धैर्यशीलता में कमी। परिवार का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के लिए भागदौड़ अधिक रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से दूर रहें।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) - मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु आत्मविश्वास में कमी भी हो सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। किसी मित्र से धन की प्राप्ति हो सकती है। बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। माता से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं। भवन सुख में वृद्धि होगी। व्यर्थ के विवादों से बचें।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) - आत्मविश्वास बहुत रहेगा। मन भी परेशान हो सकता है। नौकरी में अफसरों से व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सेहत का ध्यान रखें। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) - पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन-सत्ता का सहयोग प्राप्त हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। खर्चों में कमी आएगी। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) - मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। रोजाना की भागदौड़ भी अधिक हो सकती है। खर्च भी बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। खर्चों की अधिकता रहेगी।

कुम्भ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) - मानसिक शान्ति रहेगी। आत्मविश्वास में कमी हो सकती है। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुओं पर विजय मिलेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। तनाव से बचें।

मीन (दी दू थ झ दे दो चा ची) - आत्मविश्वास बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार में आपसी मेलजोल बढ़ेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। बातचीत में वाणी में पर नियंत्रण रखें। किसी पैतृक सम्पत्ति का लाभ हो सकता है।

26/09/2022 - कलश स्थापन
शारदीय नवरात्र प्रारम्भ

अधिक जानकारी के लिए
संपर्क करें– 7808820251

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

देशद्रोही ताकतों पर कस रहा शिकंजा

पीएफआई के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, चीफ सहित 100 से ज्यादा संदिग्ध गिरफ्तार

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली : आतंकी गतिविधियां संचालित करने के आरोप में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ देश भर में अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई हुई है। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी एनआईए और ईडी ने संयुक्त कार्रवाई कर देश के 15 राज्यों में एकसाथ छापामारी कर पीएफआई चीफ सहित 100 से अधिक ऐसे संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन पर देशद्रोही गतिविधियों में संलग्न रहकर भारत की आन्तरिक सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने की साजिश करने के आरोप हैं। शनिवार को भी एटीएस और पुलिस ने उत्तरप्रदेश के मेरठ और वाराणसी में संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए पीएफआई के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया। इससे पहले गुरुवार को देश के कई राज्यों में एकसाथ हुई कार्रवाई में न केवल राज्य पुलिस, बल्कि केन्द्रीय सशस्त्र बल से लेकर एनआईए और ईडी के अफसर भी शामिल थे। इस अभियान का नाम ऑपरेशन ऑक्टोपस रखा गया था। इसके तहत 15 राज्यों में एनआईए, ईडी और राज्य पुलिस की एक संयुक्त टीम द्वारा किए 96 स्थानों जगहों पर छापे में 106 से अधिक पीएफआई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें कई राज्यों के पीएफआई चीफ भी शामिल हैं। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए कई आईजी-एडीजी से लेकर सैकड़ों अफसर और पुलिस जवान तैनात थे। ऑपरेशन ऑक्टोपस की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बनाए गए थे, जिसके जरिए पल-पल की हरकत पर नजर रखी जा रही थी। माना जा रहा है कि गृह मंत्रालय भी इस पर अपनी नजर बनाए हुए था और वहीं से सब नियंत्रित किया जा रहा था।

हिंसक कृत्यों में रही है पीएफआई की संलिप्तता

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीएफआई कथित लव जिहाद की घटनाओं, जबरन धर्म परिवर्तन, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसक विरोध प्रदर्शनों में अपनी भूमिका, मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने, धन शोधन एवं प्रतिबंधित समूहों से संपर्क को लेकर विभिन्न एजेंसियों की रडार पर था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के मुताबिक कई हिंसक कृत्यों में कथित संलिप्तता के लिए पीएफआई, उसके नेताओं और सदस्यों के खिलाफ पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में आपराधिक मामले दर्ज किए गए। इस कार्रवाई से पहले एजेंसियों को ये पक्के सबूत हाथ लगे कि पीएफआई ने प्रशिक्षित वॉलंटियर्स की फौज तैयार कर ली है, जो जरूरत पड़ने पर देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए भी तैयार हैं। एनआईए का कहना है कि पीएफआई मुस्लिमों में मजहबी कट्टरता बढ़ा रही है। एनडीएफ की तरह पीएफआई भी रैडिकल इस्लाम के एजेंडा पर आगे बढ़ रहा है। हालांकि, ये सब वो मानवाधिकार की आड़ में कर रहा है।

355 के खिलाफ पहले भी आरोप-पत्र दायर

सूत्रों ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि पीएफआई द्वारा कथित रूप से समय-समय पर किए गए आपराधिक और हिंसक कृत्यों में केरल में एक कॉलेज के प्रोफेसर का हाथ काटना, अन्य धर्मों को मानने वाले संगठनों से जुड़े लोगों की निर्मम हत्याएं, विस्फोटकों का संग्रह, प्रमुख लोगों और स्थानों को निशाना बनाना, इस्लामिक स्टेट को समर्थन और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से नागरिकों के मन में आतंकवाद का एक प्रभाव पड़ा है। अधिकारियों के मुताबिक एनआईए ने पीएफआई के खिलाफ पहले की गई जांच के तहत 45 लोगों को दोषी ठहराया है। इन मामलों के संबंध में कुल 355 लोगों के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किये गये हैं।

भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने का मंसूबा

सुरक्षा एजेन्सियों के अनुसार पीएफआई के लड़ाके वर्ष 2047 तक भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने का मंसूबा रखकर चल रहे हैं। लंबे समय से इस पर आतंकी गतिविधियां संचालित करने के आरोप लगते रहे हैं। इनमें टेरर फंडिंग, आतंकी ट्रेनिंग कैम्प चलाना, चंदे की रकम से आतंकी मॉड्यूल तैयार करना, बाहर से हुई फंडिंग से भारत के खिलाफ प्रचार करना, स्कूल, कॉलेज और मदरसों से नए लड़कों की भर्ती करना, मुस्लिम बहुल इलाकों में लड़कों का ब्रेनवॉश करना, मार्शल आर्ट के जरिए नए लड़कों को आतंक की ट्रेनिंग, कुंगफू और कराटे सिखाकर आतंकियों को तैयार करना, कश्मीर मॉडल के तहत लड़कों को पत्थर चलाने की ट्रेनिंग देना जैसे काम शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार पीएफआई के खिलाफ एजेंसी ने 5 साल पहले यानी 2017 में ही नकेल कसने की तैयारी कर ली थी। जानकारों की मानें तो केन्द्र सरकार अब इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में अंतिम तैयारी कर रही है।

केरल में सबसे अधिक 22 लोगो की गिरफ्तारी

उक्त छापामारी में देश में आतंकी गतिविधियों का समर्थन करने के लिए पीएफआई के 106 कार्यकर्ताओं गिरफ्तार किया गया। सबसे अधिक गिरफ्तारी केरल में हुई, जहां 22 लोगों को पकड़ा गया। इसके बाद महाराष्ट्र और कर्नाटक (20-20), तमिलनाडु में 10, असम में नौ, उत्तर प्रदेश में आठ, आंध्र प्रदेश में पांच, मध्य प्रदेश में चार, पुडुचेरी और दिल्ली में तीन-तीन और राजस्थान में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया।